प्रखर सिद्धांतों पर आधारित पुणे और मुंबई से प्रकाशित एकमात्र हिंदी दैनिक

सिद्धांत समाचार

वर्ष १८ – अंक १२४ – मंगलवार १६ सितंबर २०२३ | पुणे | RNI NO.MAH HIN/2005/15277 | २ रुपए

siddhantsamachar.com | @SiddhantSamachar | facebook.com/siddhantsamachar | siddhantsamachar@gmail.com

सिद्धांत इंजीनियरिंग कॉलेजों में छात्र अनुभाग के नवीनीकृत कार्यालय का हुआ उद्घाटन

सुदुंबरे – सिद्धांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के सिद्धांत इंजीनियरिंग कॉलेजों में छात्र अनुभाग के नवीनीकृत कार्यालय का उद्घाटन सोमवार १८ सितंबर को कु. वर्तिका यादव मैडम एवं उपाध्यक्ष मा. श्री सिद्धांत यादव सर के शुभ हाथों से किया गया। एवं रजिस्ट्रार कार्यालय का उद्घाटन उपाध्यक्ष माननीय श्री मिहिर यादव सर द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष श्री राजेंद्र सिंह यादव सर, निदेशक श्री. श्रीमती शनन यादव मैडम उपस्थित रहीं। उक्त नवीनीकरण हेतु समय–समय पर दिये गये सहयोग के लिए प्राचार्य एवं महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैर–शिक्षण स्टाफ की ओर से प्रबंधन को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

CAYM EDUCATION TRUST'S

SIDDHANT GROUP OF INSTITUTIONS

APPROVED BY AICTE, PCI - NEW DELHI, Affiliated to Savitribai Phule Pune University, MSBTE, RECOGNISED BY GOVT.OF MAHARASHTRA

"Empowering Students to Become Future Leaders....."

Admissions Open: 2023-2024

Courses offered by Siddhant Group of Institution.

COURSES		INTAKE	DTE CODE
Siddhant College Of Engineering*	Diploma (AI&ML, Electrical, Mechanical, E&TC, Computer, Civil)	360	6149
	B. E. (Mechanical, Computer, I.T., E&TC, Civil)	360	
	M.E. (E&TC (VLSI), I T, Computer, Design Engineering)	84	
Siddhant College of Pharmacy*	B. Pharmacy.	100	PH - 6258
	M. Pharmacy.	24	MPH -6258
	Diploma Pharmacy.	60	D - 6515
	Diploma Pharmacy [Women].	60	D - 6922
Siddhant College Of Management*	M. B. A. (Master of Business Administration)	180	6134
Siddhant College Of Computer Application	M. C. A. (Master of Computer Application)	120	6240
Siddhant International School	Nursery to XII (CBSE Affiliated)	-	-
Siddhant College of Management Studies*	B. B. A. – (Bachelor of Business Administrator)	80	----
	B. B. A. [C. A.] – (Bachelor of Computer Application)	80	----
	B.A. (Bachelor of Arts)	80	
	B.Sc. (Bachelor of Science)	80	----
	B. Com (Bachelor of Commerce)	80	----
	M. Com (Master of Commerce)	60	----
	Post Graduate Diploma in Banking & Finance	60	----
	Post Graduate Diploma in Taxation	60	

* NAAC Accredited Institutes. | 100% Placement Assistance | www.siddhantinstitutes.in

For Admission Assistance please Contact following numbers:

Pharmacy :	M.B.A.:	M.C .A. :	Management Studies:	Engineering. :
Mrs. Shanan Yadav 84688 55688	Dr. Pratap Pawar 9423270598	Prof. Nitin Shrirao 9850005059	Dr. Yogesh Patil 9689493733	Prof. Bhagwat Kedar 9923906993

- Boys & Girls Hostel Facility Available in Campus
- Transport Facility Available from various locations of Pune & Pimpri -Chinchwad & Khed

Address: Chakan – Talegaon Road., Near Chakan Auto Hub, Sudumbare, Pune, 412109

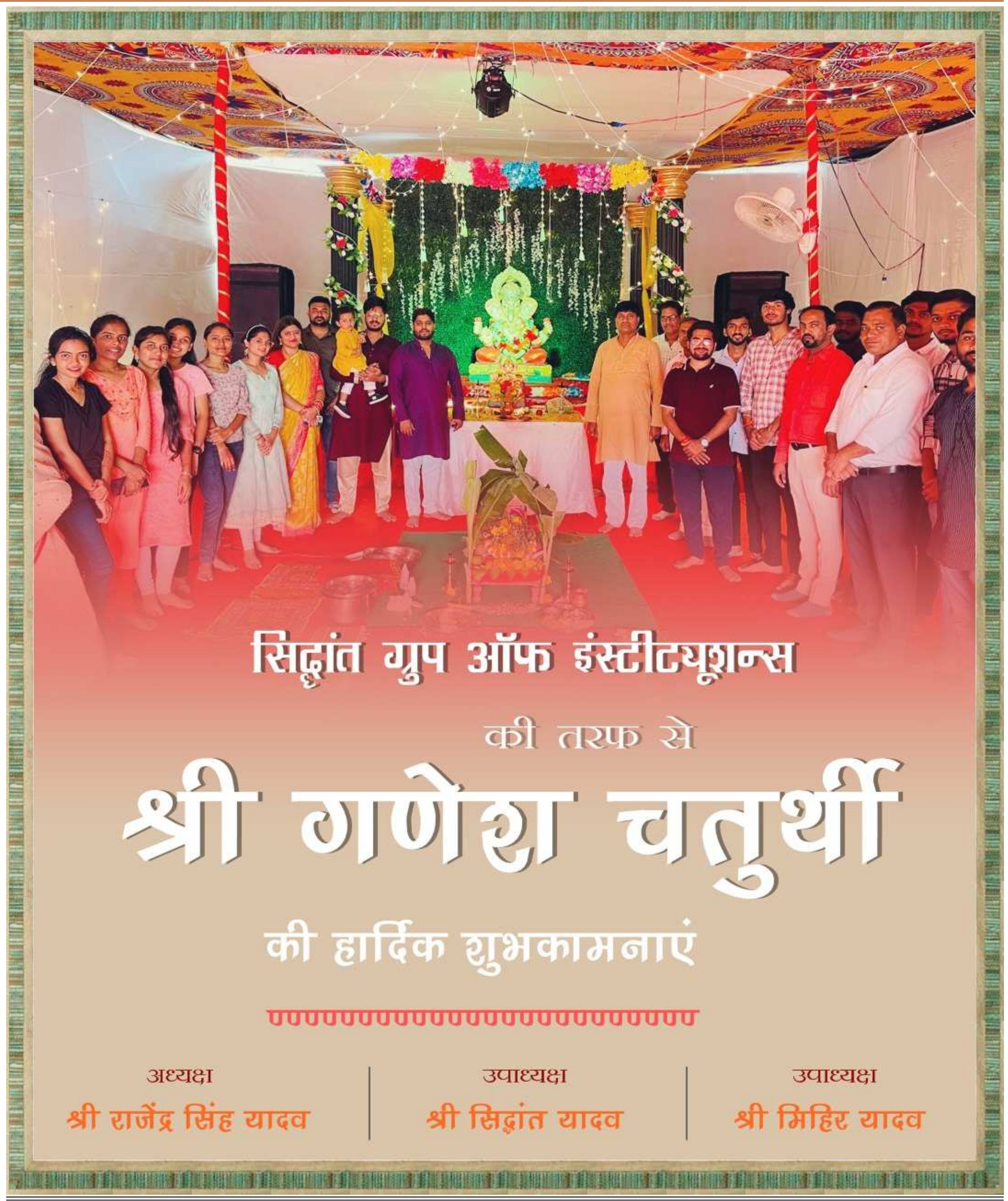

जवानों के लहू के एक–एक कतरे का बदला लेंगे : जम्मू–कश्मीर एलजी

जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान जान गंवाने वाले जवानों की मौत पर पूरे देश में गम का माहौल है। सेना की ओर से जम्मू–कश्मीर में आतंक के सफाए के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अब जम्मू–कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने भी आतंकियों को खुली चेतावनी दे दी है। सिन्हा ने कहा है कि देश के वीर जवानों की शहादत का बदला लिया जाएगा। जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग में जारी सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच जारी मुठभेड़ के बीच एलजी मनोज सिन्हा ने बदला लेने की बात कही है। श्रीनगर में 'हम सब एक हैं' नाम के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सेना के दो अधिकारी समेत तीन जवानों के लहू के एक–एक कतरे का बदला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार जम्मू–कश्मीर में स्थायी शांति लाने के लिए प्रतिबद्ध है, वहीं, जम्मू–कश्मीर के लोग भी आतंकवाद से छुटकारा चाहते हैं। जम्मू–कश्मीर के एलजी ने कहा है कि हम अपने सैनिकों की शहादत का बदला लेंगे। इस घटना में शामिल लोगों को करारा जवाब दिया जाएगा और उन्हें भारी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा कि पूरा देश आज हमारे बहादुर सैनिकों के साथ खड़ा है। मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि जम्मू–कश्मीर के लोग भी आतंकवाद से छुटकारा चाहते हैं। सिन्हा ने लोगों से क्षेत्र में आतंकवाद को हराने और सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में जम्मू–कश्मीर का योगदान किसी भी अन्य राज्य से कम नहीं होगा। बता दें कि इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी शामिल हुए थे। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ अब भी जारी है। आतंकवादियों को एक गुफा के पास इलाके में घेर लिया गया है। सेना गडोले जंगल के शीर्ष पर पहुंच गई है और आतंकवादियों को चारों तरफ से घेर लिया गया है। जिस स्थान पर मुठभेड़ हो रही है, वहां के निवासियों को एहतियात के तौर पर उस इलाके से हटा दिया गया है।

भारत का मतलब देश की परंपरा, संस्कृति से है : जयशंकर

तिरुवनंतपुरम – विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत का मतलब देश की परंपराओं, संस्कृति, अतीत और उसके भविष्य से है। केंद्रीय मंत्री तिरुवनंतपुरम में पीएम विश्वकर्मा योजना के शुभारंभ पर कहा कि इसका उद्देश्य कारीगरों और शिल्पकारों और पारंपरिक कौशल और व्यवसायों में लगे अन्य लोगों की मदद करना है। कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि कई देशों में वैश्वीकरण, औद्योगिकीकरण के कारण समय के साथ पारंपरिक कौशल और प्रतिभाएं लुप्त हो गईं। लोग अपनी परंपराओं को भूल गए और उन्हें अगली पीढ़ी तक नहीं पहुंचाया जा सका। भारत के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए जो सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है, जिसकी पहचान यहां के लोगों की हजारों वर्षों से विरासत में मिली परंपराएं व संस्कृति है। जयशंकर ने कहा कि आज हम यहां भारत की पहचान, विरासत और संस्कृति को मजबूत करने के लिए एकत्र हुए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमने हजारों वर्षों में जो प्राप्त किया है वह हजारों वर्षों तक आगे बढ़ाया जाता रहे। उन्होंने कहा कि इसलिए जब हम भारत की बात करते हैं, तो वह भारत यही है। यह

बयान इंडिया का नाम हटाने के भाजपा शासित केंद्र के कथित कदम पर देश में चल रही बहस के बीच महत्वपूर्ण है। कारीगर और शिल्पकार समुदाय के बारे में जयशंकर ने कहा कि ये वे हैं जो अपनी रचनात्मकता, विचारों और काम के माध्यम से हमारे इतिहास में हमारी संस्कृति की छाप छोड़ते हैं। यह बहुत मूल्यवान है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत, कारीगरों और शिल्पकारों को संसाधन दिए जाएंगे, जिसमें वित्तीय ऋण तक पहुंच भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वे अपने उपकरणों और क्षमताओं में सुधार कर सकेंगे, अपने उत्पादों को बाजार में बेच सकेंगे और देश और दुनिया को यह एहसास कराने के लिए तकनीक प्राप्त कर सकेंगे कि भारत के लोगों में कितनी प्रतिभा, क्षमता और रचनात्मकता है। जयशंकर ने कहा कि दिल्ली में जी20 बैठक के बीच हजारों वर्षों से भारतीय कारीगरों और शिल्पकारों द्वारा उत्पादित आभूषण, मूर्तियां, बर्तन, कपड़े और लिपियों को देखने के लिए प्रतिनिधियों के परिवारों और पत्नियों के लिए एक प्रदर्शनी की व्यवस्था की गई थी।

सिद्धांत समाचार
मंगलवार १६ सितंबर २०२३

इंडिया शब्द से किसी सांस्कृतिक परंपरा या अर्थवत्ता का परिचय नहीं मिलता

'बहुत साल पहले हमने नियति के साथ वादा किया था और अब समय आ गया है जब हम अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करेंगे...एक क्षण आता है, जो इतिहास में बहुत ही दुर्लभ होता है, जब हम पुराने से नए की ओर कदम बढ़ाते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब लंबे समय से दबे हुए एक राष्ट्र के आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है।' यह संदर्भ 14 अगस्त, 1947 की मध्य रात्रि को दिए गए भाषण का एक अंश है, जो भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दिया था। यह वक्तव्य हमारे स्वाधीनता संग्राम के दौरान उन सपनों की प्रतिध्वनि थी, जो स्वामी विवेकानंद, बाल गंगाधर तिलक, महर्षि अरविंद, रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, सरदार पटेल और डा. आंबेडकर जैसे मनीषियों ने देखा था। उन विभूतियों का सपना ऐसे स्वतंत्र भारत का था, जिसका तंत्र अर्थात संरचना, विचार, अस्तित्व–पहचान सदियों की गुलामी के पट्टे को फेंककर नया बनेगा, मगर जी–20 से संबंधित आयोजन में देश के नाम 'भारत' को 'इंडिया के बरक्स रखकर जिस तरह से अनर्गल विवाद खड़ा किया जा रहा है और 'भारत' शब्द को जिस तरह हिकारत से प्रस्तुत किया जा रहा है, उससे हमारे स्वाधीनता सेनानियों का आत्मा कराह रही होगा। क्या हो हमारे देश का नाम? भारत या इंडिया? आखिर इंडिया के स्थान पर भारत को प्राथमिकता क्यों न मिले? संविधान के अंग्रेजी संस्करण में स्पष्ट है कि इंडिया यानी भारत, राज्यों का संघ होगा। हिंदी प्रति में लिखा गया है, भारत अर्थात् इंडिया, राज्यों का संघ होगा। संविधान सभा में 'भारत बनाम इंडिया' पर जोरदार बहस चली थी। कई लोगों का कहना था कि 'इंडिया' शब्द में गुलामी की गंध है, लेकिन भारत के साथ–साथ इंडिया शब्द को भी अपना लिया गया। इसके पीछे शायद औपनिवेशिक शासन का अचेतन मनोवैज्ञानिक दबाव रहा हो। जिस इंडिया शब्द के समर्थन में इतनी हायतौबा मच रही, वह ग्रीक भाषा से आया है। ईसा पूर्व पांचवीं सदी में ग्रीक लोगों ने सिंधु नदी के लिए 'इंडस' और इस क्षेत्र के लोगों को 'इंडी'या 'इंडोई' कहा। यूनानी विद्वान हेरोडोटस ने 'इंडी' शब्द का इसी रूप में प्रयोग किया है। यही 'इंडी' शब्द दूसरी–तीसरी सदी में लैटिन भाषा में 'इंडिया' बना। अभी तक इस शब्द का अर्थ भौगोलिक क्षेत्र न होकर यहां के निवासी थे। नौवीं सदी में यह अंग्रेजी और अन्य यूरोपीय भाषाओं में प्रचलित हुआ। धीरे–धीरे 'इंडिया' का प्रयोग भौगोलिक भूभाग के लिए भी होने लगा। इतिहासकार इयान जे. बैरो अपने लेख 'फ्राम हिंदुस्तान टू इंडिया नेमिंग चेंज इन चेंजिंग नेम्स' में लिखते हैं कि 18वीं शताब्दी से अंग्रेजों ने 'इंडिया' शब्द का प्रयोग करना शुरू कर दिया था। 'इंडिया' शब्द का प्रयोग दरअसल भारत को मनोवैज्ञानिक–सांस्कृतिक रूप से पराधीन बनाने का एक उपक्रम भी था। इस प्रकार अंग्रेजी औपनिवेशिक–साम्राज्यवादी शासन की देन 'इंडिया' शब्द में ब्रिटिश गुलामी की गंधा छिपी हुई है। 'इंडिया' शब्द में 'कुलीनता' का भाव भी झलकता है, जो इस देश की आम जनता, किसान, मजदूर और अन्य निम्न वर्ग को समाहित करता हुआ नहीं दिखता। समाज भाषा विज्ञान की दृष्टि से भी इंडिया शब्द से इस देश की किसी सांस्कृतिक परंपरा, भावबोध या अर्थवत्ता का परिचय नहीं मिलता। 'इंडिया' के बरक्स 'भारत' अभिधान को देखें तो यह ज्यादा प्राचीन है। 'भारत' का मूल शब्द 'भरत' का उल्लेख कम से कम 3,500 वर्ष पहले ऋग्वेद में मिलता है। भौगोलिक भूभाग के रूप में 'भारत' या 'भारतवर्ष' ब्रह्मपुराण और विष्णुपुराण में मिल जाता है जिसे अधिकांश विद्वान ईसापूर्व छठी सदी का ग्रंथ मानते हैं। इसके अलावा वायु पुराण और महाभारत में इस क्षेत्र का नाम भारत या भारतवर्ष ही है। 'भारत माता की जय' स्वाधीनता आंदोलन का सर्वाधिक भावात्मक नारा तो था ही, हमारे 'राष्ट्रगान' में भी केवल 'भारत' शब्द ही है। किसी देश के नामकरण की सार्थकता उसकी अर्थवत्ता में भी होती है। 'भारत' शब्द संस्कृत के 'भ्र' धातु से आया है, जिसका अर्थ है उत्पन्न करना, वहन करना, निर्वाह करना। तदनुसार भारत का शाब्दिक अर्थ हुआ–जो निर्वाह, उत्पन्न या वहन करता है। इस रूप में 'भारत' शब्द अत्यंत अर्थवान है। भारत का एक और अर्थ है–ज्ञान की खोज में संलग्न। अर्थात अपने सांस्कृतिक बोध, मूल्यवत्ता और अर्थवत्ता के धरातल पर भी 'भारत' नाम अधिक सार्थक है। इसके अलावा यह अभिधान सर्वसमावेशी भी है, अपने में सभी वर्ग, पंथ और समुदाय को समाहित करता है। यह अनायास नहीं कि संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित अधिकांश भाषाओं–पूर्व की असमिया एवं मणिपुरी से लेकर पश्चिम की गुजराती और मराठी तथा दक्षिण की तमिल, तेलुगु, कन्नड़ या मलयालम में इस देश को भारत, भारोत, भारतनाडु, भारता, भारतदेशम, भारतम आदि कहा जाता है, जो 'भारत' शब्द के ही पर्याय हैं। सामाजिक हो या सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक हो या भाषा–विज्ञान, हर कसौटी पर 'भारत' नाम में ही इस देश का आत्मा विराजता है। संसार का कोई भी स्वाभिमानी देश विदेशी गुलामी के चिह्न और नाम स्वीकार नहीं करता। सीलोन, गोल्ड कोस्ट और रोडेशिया जैसे देश विदेशी नाम को त्याग कर अपने पूर्वकालिक नाम श्रीलंका, घाना और जिंबाब्वे अपना चुके हैं तो महान प्राचीन सभ्यता–संस्कृति वाला हमारा देश 'भारत' क्यों नहीं अपना सकता? ध्यान रहे हमारा एक और पड़ोसी देश बर्मा भी म्यांमार हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण में गुलामी की मानसिकता को खत्म करना और भारत की विरासत पर गर्व करना भी है। नेहरू की प्रतिज्ञा को पूरा करने का आज सही समय है। 'भारत' हर दृष्टि से श्रेयस्कर नाम है। इसके विरोध का कोई औचित्य नहीं।

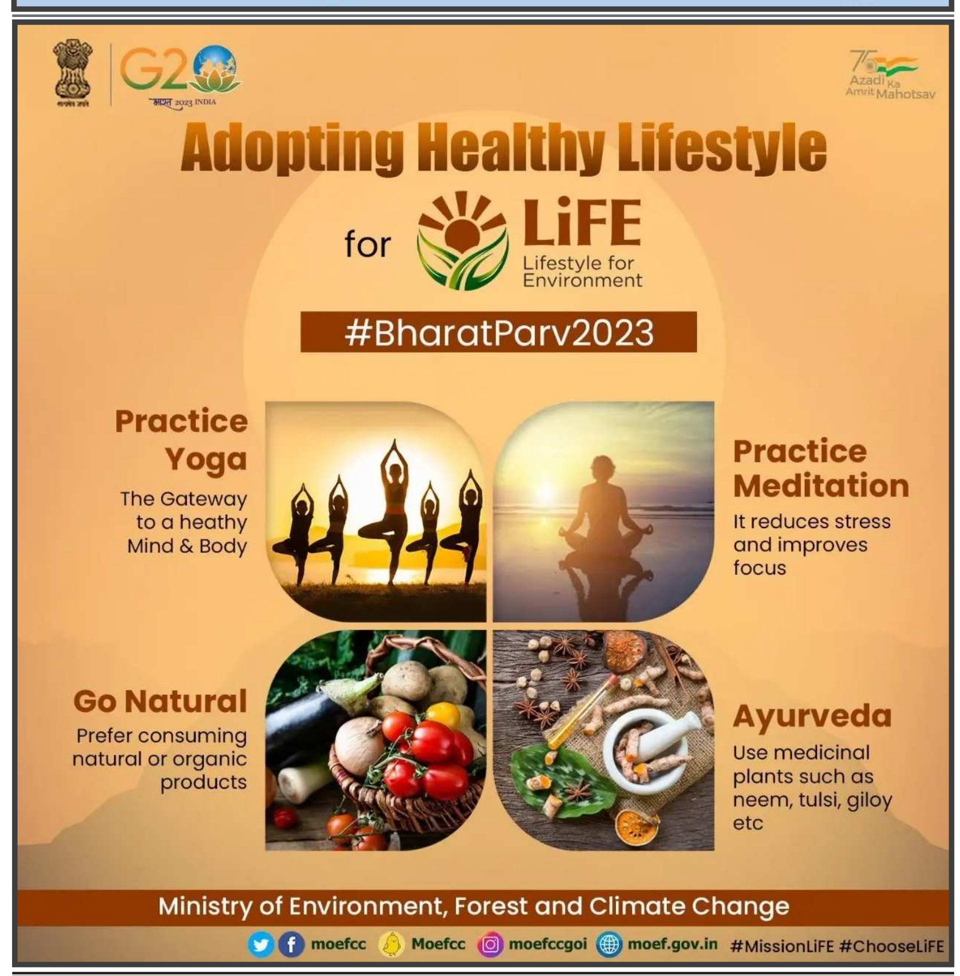

नित्य नूतन हो जाने की प्रकृति है सनातन धर्म

सनातन शब्द का अर्थ है जो सदा से है और जिसका आदि या कोई अंत नहीं है। प्रकृति की प्रत्येक इकाई का गुण धर्म होता है। अग्नि का धर्म ताप है और स्पर्श वायु का धर्म है। मनुष्य का धर्म लोकमंगल के कर्तव्य हैं। इस तरह संपूर्ण अस्तित्व के संविधान का नाम है सनातन धर्म। सनातन धर्म भारत का धर्म है। इसका ध्येय विश्व लोकमंगल है, पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के पुत्र एवं मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना से की और सनातन को पूरी तरह मिटाने का आह्वान किया। स्टालिन की पार्टी द्रमुक के एक और नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा ने सनातन को एड्स और कुष्ठ रोग जैसा बता दिया। ऐसे बयान सनातन का अपमान हैं। इससे करोड़ों लोगों का मन आहत है। सनातन को लेकर सद्गुरु जग्गी वासुदेव का कहना है, 'सनातन धर्म कोई ऐसी प्रक्रिया नहीं है जो आपको यह बताए कि इस पर विश्वास कीजिए नहीं तो आप मर जाएंगे। यह आपको प्रेरित करता है कि आपके मन में प्रश्न उठें।' प्रश्न और जिज्ञासा सनातन धर्म के महत्वपूर्ण तत्व हैं। विभिन्न कारणों से हुए मतांतरणों के बावजूद भारत में बहुसंख्यक इसी धर्म में आस्था रखते हैं। वैदिक काल के दार्शनिक ऋषि प्रकृति और मनुष्यों के स्वाभाविक परिवेश के प्रति जिज्ञासु रहे। उन्होंने देखा कि अस्तित्व नियमबंधन में हैं। उन्होंने प्रकृति की शक्तियों को भिन्न–भिन्न देव नाम दिए। उन्होंने प्राकृतिक नियमों को भी ऋत सत्य और धर्म आदि नाम दिए। प्रकृति प्रत्यक्ष सत्य है। उसकी शक्तियां भी प्रत्यक्ष सत्य हैं और नियम भी प्रत्यक्ष सत्य हैं। यही सत्य मानव समाज में भी दिखाई पड़ता है। नियमों का पालन करना कर्तव्य है। यही धर्म भी है। ऋग्वेद में उल्लेख है, 'अग्नि के नियमों का कोई उल्लंघन नहीं कर सकता।' नदियां ऊपर से नीचे समुद्र की ओर बहती हैं। यह प्रकृति का नियम है और जल का धर्म। नदियां ऋतावरी कही गई हैं। ऋत अर्थात प्रकृति के संविधान की पालनकर्ता। सूर्य के लिए उल्लेख है, 'उसके नियम को इंद्र, वरुण और रुद्र आदि देवता भी नहीं तोड़ सकते। ऋषि वायु से कहते हैं, 'नियमों के अनुसार चलने वाले मरुद्गण और सरस्वती हमारी स्तुतियां सुनें।' सभी दिव्य शक्तियां प्रकृति के नियमों का पालन करती हैं। नियम तोड़ने का अधिकार किसी को नहीं है। यही अस्तित्व का नियम है। इसे ऋत कहते हैं। ऋत और धर्म पर्यायवाची हैं। वैदिककालीन मान्यता थी कि नियम पालन कराना वरुण देवता का कर्तव्य है। ऋग्वेद के अनुसार 'यह काम भी वह धर्मानुसार ही करते हैं। सूर्य भी धर्मानुसार संसार को प्रकाश से भरते हैं। सूर्योदय, सूर्यास्त, दिन–रात सब नियमानुसार हैं। सारे नियम सत्य हैं। सनातन हैं।' ऋत, सत्य और धर्म एक जैसे हैं। भारतीय परंपरा में विष्णु बड़े देवता हैं। वह अवतार लेते हैं, लेकिन विष्णु के लिए भी धर्म पालन अनिवार्य है। ऋग्वेद के अनुसार 'उन्होंने तीन पग चलकर ब्रह्मांड नाप दिया था, लेकिन वह कार्य भी धर्मानुसार पूरा किया। बृहदारण्यक उपनिषद में उल्लेख है, 'जिससे सूर्य उदय–अस्त होता है, उस धर्म को देवताओं ने बनाया।' प्रकृति की शक्तियां नियम बंधन के अनुशासन में हैं तो मनुष्यों को भी तद्नुसार धर्म–नियमों का पालन करना चाहिए। सनातन धर्म का विकास प्राकृतिक नियमों के विस्तार से हुआ। सनातन धर्म रिलीजन या मजहब नहीं है। रिलीजन और मजहब में एक ईश्वर और एक देवदूत की आस्था है। प्रत्येक मजहब या रिलीजन का एक पवित्र ग्रंथ है। उनके सत्य अंतिम हैं। उन पर कोई तर्क और जिज्ञासा नहीं हो सकती, लेकिन सनातन में ईश्वर भी प्रश्न और जिज्ञासा के दायरे में आते हैं। धर्म–नियम धारण करना सभी तत्वों का धर्म है। बृहदारण्यक उपनिषद के अनुसार धर्म सभी भूतों का मधु–सार है और सभी भूत धर्म का मधु–सार हैं। यही सनातन है। धर्म पालन में जबरदस्ती नहीं है। सनातन में स्वतंत्र विवेक की महत्ता है। श्रीकृष्ण ने गीता में अर्जुन से कहा, 'इस प्रकार मैंने तुम्हे गुह्य ज्ञान बता दिया। इस पर ठीक से विचार करो और अपनी इच्छानुसार जो चाहो सो करो।' दुनिया के किसी भी पंथ मजहब में ऐसी छूट नहीं है। ऋग्वेद के हजारों मंत्रों में कहीं भी आज्ञासूचक वाक्य नहीं हैं। सनातन का आधार विवेकपूर्ण दर्शन है। इसका सतत विकास हुआ है। सनातन धर्म परंपरा में नित्य नूतन हो जाने की प्रकृति है। इसमें कालबाह्य को छोड़ने और कालसंगत को जोड़ने की क्षमता है। कुछ कालबाह्य मान्यताएं भी संभव हैं। सनातनधर्मी अनेक महानुभावों ने रूढ़ियों की समाप्ति का काम किया है। राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद, विवेकानंद आदि महानुभावों ने सती प्रथा, बाल विवाह, अस्पृश्यता आदि कुरीतियों के विरुद्ध लोक जागरण का काम किया। अस्पृश्यता और जातिभेद जैसी बुराइयों की समाप्ति को लेकर डा. आंबेडकर, डा. हेडगेवार और डा. लोहिया ने भी खूब परिश्रम किया। तमिल भूमि के वासी कंबन ने रामकथा लिखी और सनातन धर्म को प्रतिष्ठा दी। इसी भूमि के राजगोपालाचारी ने भारतीय संस्कृति के लिए अविस्मरणीय काम किया। उन्होंने सभी वर्णों के मंदिर प्रवेश की मुहिम चलाई। यहीं से निकले विश्वविख्यात दार्शनिक डा. राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन को विश्वव्यापी बनाया। उन्होंने जोसेफ स्टालिन को समझाया कि रक्तपात बुरा है। इसी भेंट में स्टालिन ने उनसे पूछा कि भारत की लोकप्रिय भाषा कौन सी है? राधाकृष्णन ने हिंदी का नाम लिया। राष्ट्रपति रहे विज्ञानी एपीजे अब्दुल कलाम भी तमिलनाडु के थे। अद्वैत दर्शन में भक्ति भाव भरने वाले रामानुजाचार्य भी यहीं के थे। आश्चर्य है कि उदयनिधि स्टालिन ने अपने बयान से ऐसे तमाम महानुभावों के कार्यों को भी अपमानित किया। सनातन धर्म में आज्ञासूचक संहिता नहीं है। छह प्राचीन दर्शन एवं लोकायत जैसे नास्तिक दर्शन भी सनातन धर्म का हिस्सा हैं। यहां सुसंगत दार्शनिक दृष्टिकोण है। सनातन धर्म किसी देवदूत की उद्घोषणा नहीं है। सनातन धर्म का न कोई आदि है न कोई अंत। प्रश्न है कि क्या उदयनिधि स्टालिन इस्लाम या ईसाइयत को भी इसी तरह निशाने पर ले सकते हैं? आखिर वह ऐसा अनर्गल बयान कैसे दे सकते हैं? प्रश्न यह भी है कि द्रमुक के सहयोगी दलों के नेता उनके बयान का विरोध क्यों नहीं कर रहे हैं?

यह समाचार पत्र प्रकाशक, मुद्रक, मालिक व संपादक : श्री राजेंद्र सिंह यादव द्वारा, सिद्धांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सुदंबरे, चाकन – तलेगांव रोड, पुणे – ४१२१०६ से प्रकाशित किया जाता है।
RNI NO.MAH HIN/2005/15277
www.siddhantsamachar.com / E-mail : siddhantsamacharpune@gmail.com / Phone : 9 8707 99 813
इस अखबार में छपी सभी खबरों के लिए संपादक सहमत है ऐसा नहीं। न्यायलयीन विवाद के लिए कार्यक्षेत्र पुणे रहेगा।

भेड़ और बकरियां जंगल में शेर से नहीं लड़ सकते : मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को विपक्षी दलों की आलोचना की और कहा कि वे केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने के बारे में सोचते हैं लेकिन ''भेड़ और बकरियां'' जंगल में शेर के खिलाफ लड़ाई नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि मैं विपक्ष के साथ था, उन्होंने केवल यही सोचा कि पीएम मोदी को कैसे हराया जाए। जंगल के सभी जानवर, भेड़–बकरियां, एक साथ आकर शेर से नहीं लड़ सकते, और शेर तो शेर होता है, जंगल में केवल शेर का शासन होता है। उन्होंने कहा कि इससे पहले 2014 में पीएम मोदी के सामने सभी लोग इकट्ठा हुए थे, उस वक्त क्या हुआ था ये सभी जानते हैं। 2019 में पीएम मोदी को हराने के लिए सब एक हो गए और जनता ने उन्हें ऐसी पटखनी दी कि विपक्ष 400 से घटकर 40 पर आ गया। शिंदे ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि जो पार्टी कभी 400 सीटें हासिल करती थी, वह घटकर 40 पर आ गई है। जनता पीएम मोदी के साथ है क्योंकि वह भारत को महाशक्ति की ओर ले जा रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा विपक्षी दलों पर की जा रही छापेमारी के बारे में पूछे जाने पर शिंदे ने कहा कि जिन लोगों ने भ्रष्टाचार किया है, उन पर ईडी छापेमारी करेगी। तो जिसने कुछ नहीं किया उसे डरने की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि ईडी क्या करती है कि वह भ्रष्टाचार करने वालों पर छापा मारती है, और फिर ईडी उन पर छापे मारेगी जिन्होंने भ्रष्टाचार किया है। इसलिए जिसने कुछ नहीं किया है उसे डरने की कोई बात नहीं है। शिंदे ने आगे कहा, ''बीजेपी ने भ्रष्टाचार किया था, सारे सबूत सामने आ गए होंगे. अगर कुछ नहीं किया है तो आप क्यों डर रहे हैं?'' महाराष्ट्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए शिंदे ने कहा, ''कोई खतरा नहीं है। अब हमारे पास डबल इंजन की सरकार थी, शिवसेना और बीजेपी की सरकार थी, इसलिए अजित पवार भी आज हमारे साथ आ गए। और हमारे पास 215 से ज्यादा विधायकों का समर्थन है। और पिछले साल जो काम हुआ है, सरकार ने सबके लिए फैसले लिए हैं, चाहे वो किसान हों, माताएं हों, बहनें हों, छात्र हों, नौजवान हों। हमारी सरकार आने से पहले, अहंकार से भरे हुए लोग थे, रोड़े अटकाते थे, काम रुकवा देते थे, सारे प्रोजेक्ट बंद कर देते थे, हमने शुरू कर दिए, तो लोग देख रहे हैं और वोट भी उसी को देंगे, जो काम करेगा। या क्या हम घर में बैठे व्यक्ति को वोट देंगे।''

गणेश प्रतिष्ठापना जुलूस के मद्देनजर ट्रैफिक में किया गया बदलाव

पुणे – गणेश प्रतिष्ठापना के कारण मंगलवार 19 सितंबर को शहर के मध्यभाग के ट्रैफिक में बदलाव किया गया है. प्राण प्रतिष्ठापना समारोह के अवसर पर मंडलों द्वारा जुलूस निकाले जाते हैं. शिवाजी स्ट्रीट पर शनिवारवाड़ा क्षेत्र में द'श्री' की मूर्ति खरीदने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी. पुलिस उपायुक्त विजय कुमार मगर ने बताया कि कस्बा पेठ में डेंगल ब्रिज से शिवाजी ब्रिज, कस्बा पेठ, जीजामाता चौक, सारसबाग क्षेत्र में सावरकर पुतला चौक से साधन भेल केंद्र (सिंहगढ़ रोड) तक यातायात परिवर्तित किया जाएगा. शिवाजी रोड पर गाडगिल पुतला चौक से गोटीराम भैया चौक (मंडई) तक यातायात बंद रहेगा. वाहन चालक गाडगिल पुतला चौक से बाएं मुड़कर कुंभारवाड़ा चौक, शाहिर अमर शेख चौक से होते हुए अपने गंतव्य की ओर जा सकते हैं. संचेती चौक से शिवाजी रोड होते हुए स्वारगेट की ओर जाने वाले वाहनचालक मॉडर्न कैफे चौक,जंगली महाराज रोड, खंडूजीबाबा चौक, तिलक रोड से वांछित गंतव्य तक जा सकते हैं. सावरकर पुतला चौक से सिंहगढ़ रोड तक के क्षेत्र में मूर्ति विक्रेताओं ने अस्थायी दुकानें लगा ली हैं. वाहनचालकों को इस क्षेत्र में अपने वाहन पार्क नहीं करने चाहिए. शिवाजी रोड से स्वारगेट शिवाजी रोड से स्वारगेट तक पीएमपी बस का रूट बदल दिया गया है. इस दौरान बसें बर्वे चौक, जंगली महाराज रोड, तिलक रोड से होकर चलेंगी. नगर निगम से स्वारगेट जाने वाली पीएमपी की बसें जंगली महाराज रोड से होकर जाएंगी. यह रहेगी पार्किंग की व्यवस्था मुंढवा से केशवनगर भाग में मूर्ति खरीदने के लिए होने वाली भीड़ को देखते हुए इस परिसर में ट्रैफिक में बदलाव किया गया है. कामगार पुतला चौक से शिवाजी पुतला चौक के बीच एक साइड वाहन पार्क करने की अनुमति है. तिलक पुल से भिड़े पुल के बीच नदी पाट के रास्ते पर वाहन पार्क करने की अनुमति है. मंडई के सतीश मिसाल पार्किंग , हुतात्मा बाबू गेनू पार्किंग में वाहन पार्क किए जा सकते हैं. इसी प्रकार शाहू चौक से राष्ट्रभूषण चौक के बीच सड़क के दोनों और वाहन पार्क करने की परमिशन दी गई है.

जेएनयू की कुलपति ने तीस्ता सीतलवाड़ को राहत दिए जाने पर उच्चतम न्यायालय से पूछा सवाल

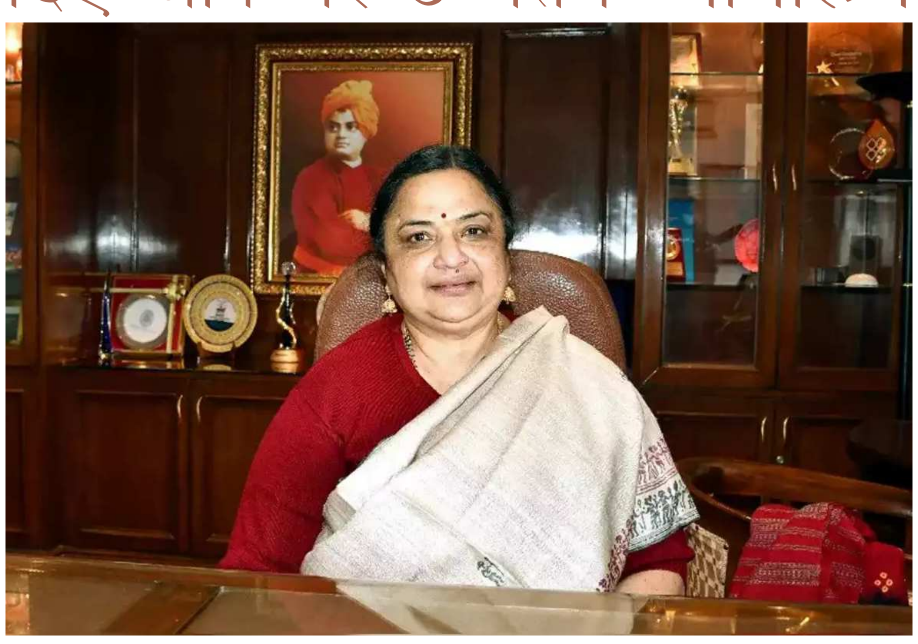

पुणे – जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने रविवार को पूछा कि क्या उच्चतम न्यायालय ''हमारे'' साथ भी वैसा ही बर्ताव करेगा जैसा कि उसने शनिवार रात को तीस्ता सीतलवाड़ को राहत देने के लिए किया था। जेएनयू की कुलपति उच्चतम न्यायालय द्वारा 2002 के गोधरा दंगों के मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए कथित तौर पर सबूत गढ़ने के मामले के संबंध में सीतलवाड़ को गिरफ्तारी से एक जुलाई को अंतरिम संरक्षण दिए जाने का जिक्र कर रही थीं। उन्होंने पुणे में मराठी पुस्तक 'जगाला पोखरणारी डावी वालवी' के विमोचन के मौके पर पूछा, ''वामपंथी परिवेश अब भी है। आप जानते हैं कि उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाध ीश ने तीस्ता सीतलवाड़ को जमानत देने के लिए शनिवार रात को सुनवाई की। क्या हमारे लिए भी यह होगा।'' उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों के 'जय श्री राम' के नारे लगाए जाने के बीच कहा, ''गर्व से कहती हूं कि मैं हिंदू हूं।

संपत्ति धारकों को मिलेगी प्रॉपर्टी लॉकर सुविधा

पिंपरी – संपत्ति कर पिंपरी– चिंचवड़ मनपा की आय का मुख्य स्रोत है. इसलिए मनपा की आय बढ़ाने के लिए संपत्तियों के सर्व क्षण का बेहद महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है. सर्वेक्षण में नई संपत्तियों, उपयोग में बदलाव, बढ़े हुए निर्माण की तलाश की जाएगी. साथ ही, इस सर्वेक्षण में, संपत्तियों को यूपीआईसी आईडी (विशिष्ट संपत्ति पहचान कोड यानी विशिष्ट संपत्ति संख्या) दी जाती है. यह जानकारी मनपा के टैक्स कलेक्शन और टैक्सेशन विभाग के सहायक आयुक्त नीलेश देशमुख ने दी. इस यूपीआईसी आईडी का उपयोग सभी मनपा सेवाओं और सरकार के अन्य विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने के लिए किया जाएगा. जिस तरह देश में किसी व्यक्ति के आधार नंबर को यूपीआई आईडी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, उसी तरह अब संपत्तियों के लिए भी यूपीआईसी आईडी का इस्तेमाल किया जाएगा. इसलिए प्रॉपर्टी की सारी जानकारी और प्रॉपर्टी से जुड़ी सभी सेवाएं एक क्लिक पर उपलब्ध होंगी. नागरिकों की ऊर्जा, समय और धन की बचत होगी. वर्तमान में पिंपरी– चिंचवड़ मनपा सीमा में 6 लाख 7 हजार पंजीकृत संपत्तियां हैं. शहर की संपत्तियों, जमीनों पर कराधान कानून के मुताबिक अनिवार्य है. टैक्स दायरे में आने वाले करदाता ईमानदारी से टैक्स अदा करते हैं. जो संपत्तियां टैक्स के दायरे में नहीं हैं, उन्हें टैक्स के दायरे में लाना सभी को समान न्याय देने की दृष्टि से उचित है. इसलिए, शहर में एक व्यापक संपत्ति सर्वे क्षण किया गया है. फिलहाल, शहर के 17 जोन में से वाकड़, पिंपरी शहर और भोसरी जोन में संपत्तियों की नंबरिंग का काम अंतिम चरण में है. साथ ही थेरगांव, पिंपरी वाघेरे और चिखली इलाके में संपत्तियों की नंबरिंग का काम शुरू कर दिया गया है. इस सर्वेक्षण के लिए एक स्थापत्य कंसल्टेंट एजेंसी को नियुक्त किया गया है. सर्वे में एजेंसी के साथ– साथ मनपा के कर्मचारी भी हिस्सा ले रहे हैं. शहर में 17 जोन हैं. नागरिकों को अपना क्षेत्र याद नहीं रहा. इसलिए इसमें एक अहम बदलाव किया गया है और वाकड़ को डब्ल्यूकेडी, भोसरी को बीएसआर कर दिया गया है. इससे संपत्ति मालिकों के लिए याद रखना आसान हो जाता है. पहले 3 अक्षर जोन नाम के शुरुआती अक्षर हैं (वाकड़ को डब्ल्यूकेडी, भोसरी को बीएसआर, आकुर्डी को एकेडी, थेरगांव को टीआरजी), गट के दो अंक, ब्लॉक के दो अंक, भवन संख्या के दो अंक और अंत में फ्लैट या संपत्ति 3 अंकों की संख्या. साथ ही प्रॉपर्टी कोड या मोबाइल नंबर भी सर्च ऑप्शन में दिखाई देगा. मनपा द्वारा नागरिकों को ऑनलाइन सुविधाएं या जानकारी प्रदान करने के लिए मनपा की वेबसाइट बनाई है. इस वेबसाइट पर टैक्स कलेक्शन और टैक्सेशन विभाग का डैशबोर्ड भी है. इस डैशबोर्ड को ऐसा विकसित किया जाएगा कि नागरिक इसे आसानी से इस्तेमाल सकें. इसके मुताबिक, नागरिकों को संपत्ति नंबर याद रखने की जरूरत नहीं है. अपना मोबाइल नंबर दर्ज करते ही नागरिकों को ओटीपी मिलेगा. ओटीपी दर्ज करते ही संबंधित की संपत्ति अनलॉक हो जाएगी और नागरिक उसमें सभी सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे. नागरिक संपत्तियों को अपडेट करने में सक्षम होंगे, महावितरण के बिजली बिल के साथ–साथ सर्च रिपोर्ट के लिए आवश्यक वस्तुओं को सेव करना संभव होगा. नागरिक मनपा की वेबसाइट पर अपनी संपत्ति रोफाइल अपडेट कर सकते हैं. नागरिकों को अपनी संपत्ति बेचने या खरीदने की वेंशिसनीय जानकारी एक क्लिक पर मिलेगी.

देश का नाम भारत है और इसे भारत ही रहना चाहिए : डा. मनमोहन वैद्य

पुणे – पुणे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की समन्वय समिति की बैठक हुई है. इस दौरान मनमोहन वैद्य ने सनातन धर्म को लेकर भी बड़ी बात कही. 'भारत या इंडिया' नाम को लेकर चल रही बहस के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से बड़ा बयान दिया गया. आरएसएस के संयुक्त महासचिव मनमोहन वैद्य ने शनिवार (16 सितंबर) को कहा कि देश का नाम भारत है और इसे भारत ही रहना चाहिए. आरएसएस के सह–सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा, ''प्राचीन काल से भारत लोकप्रिय नाम रहा है. इसलिए यही रहना चाहिए.'' मनमोहन वैद्य और आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की समन्वय समिति की तीन दिवसीय बैठक के समापन पर एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे. सनातन संस्कृ ति पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में मनमोहन वैद्य ने कहा, ''सनातन धर्म का मतलब धर्म नहीं है. सनातन सभ्यता एक आध्यात्मिक लोकतंत्र है. जो लोग सनातन के बारे में बयान देते हैं उन्हें पहले इस शब्द का मतलब समझना चाहिए.'' डॉ. वैद्य ने कहा कि आरएसएस से प्रेरित संगठन सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उनकी अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करेंगे. भारतीय परिवारों में महिलाओं की भूमिका सबसे प्रमुख होती है. इसलिए महिलाओं को समाज के हर क्षेत्र में मुख्य भूमिका निभानी चाहिए. उन्होंने कहा कि बैठक में आरएसएस के शताब्दी वर्ष में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के विषय पर विस्तार से चर्चा हुई. महाराष्ट्र के पुणे में हुई इस बैठक में बीजेपी सहित संघ से जुड़े 36 संगठनों के 246 प्रतिनिधियों ने भाग लिया. संघ परिवार के तीन दिवसीय विचार–विमर्श की अध यक्षता आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने की. इस बैठक में मौजूदा सामाजिक व राष्ट्रीय परिदृश्य, अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, सामाजिक सद्भाव बनाए रखने और राष्ट्रसेवा जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई. ये बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ये संसद के पांच दिवसीय विशेष सत्र से पहले हुई.

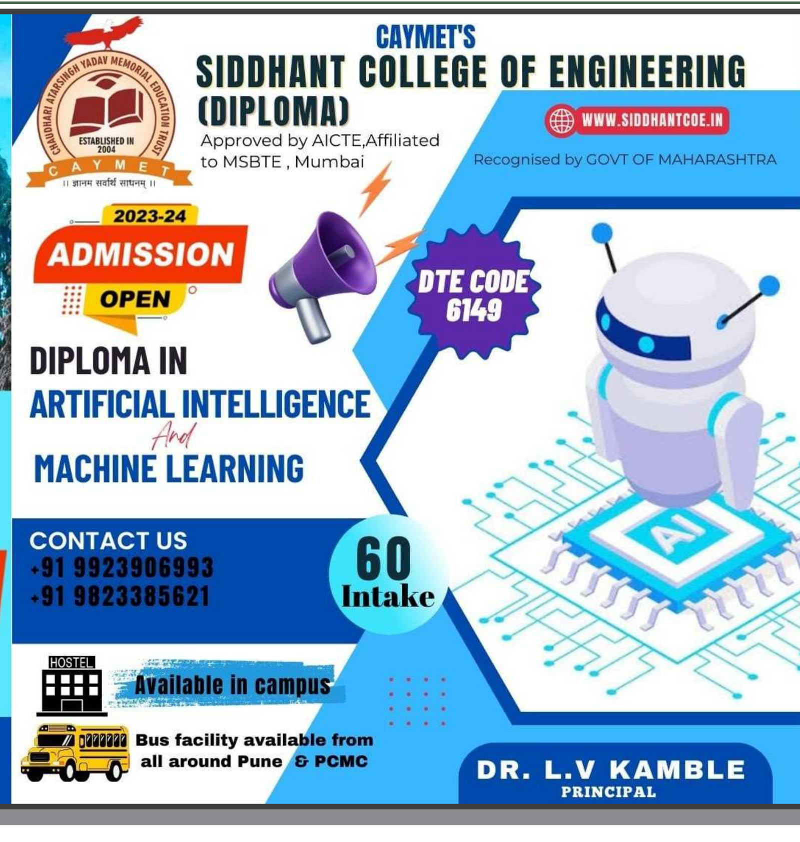

खेल–सिनेमा

इलावेनिल वलारिवान ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी में जीता गोल्ड मेडल

ओलंपियन इलावेनिल वलारिवान ने यहां अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आइएसएसएफ) विश्व कप राइफलधपिस्टल प्रतियोगिता की महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। इलावेनिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ महिलाओं के बीच 24 शाट के फाइनल में कभी भी 10.1 से कम अंक नहीं जुटाए। इलावेनिल ने 252.2 अंक के साथ फ्रांस की 20 वर्ष की सनसनी ओसिएन म्यूलर को हराया जो 251.9 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। चीन की झेंग जियाले ने तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। इलावेनिल ने 630.5 अंक के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। म्यूलर 633.7 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहीं थी। चीन की दो निशानेबाजों झेंग जियाली और झेंग यू के अलवा नार्वे की यूरोपीय चैंपियन जेनेट हेग डुएस्टेड ने भी फाइनल में जगह बनाई थी। पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत के संदीप सिंह क्वालीफिकेशन में 628.2 अंक के साथ 14वें स्थान पर रहे। शुक्रवार को इलावेनिल ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में संदीप के साथ मिलकर 629.91 का संयुक्त स्कोर बनाया था। इस स्पर्धा का चौथे और पदक दौर का अंतिम स्थान इजराइल के नाम रहा, जिन्होंने 42 टीम की स्पर्धा में भारत से 0.5 अंक अधिक बनाए। इलावेनिल ने 314.8 जबकि संदीप ने 314.3 अंक जुटाए। भारतीय जोड़ी मामूली अंतर से कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा पेश करने से चूक गई। इजराइल ने अंततः कांस्य पदक जीता। जर्मनी ने स्वर्ण जबकि हंगरी ने रजत पदक जीता। भारत की 16 सदस्यीय टीम सात ओलंपिक स्पर्धाओं में रियो विश्व कप में हिस्सा ले रही है। इटली दो स्वर्ण के साथ शीर्ष पर चल रहा है जबकि भारत और आर्मेनिया संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

भारत ने मोरक्को को ३–१ से हराया

रोहन बोपन्ना ने युकी भांबरी के साथ पुरुष युगल में सीधे सेटों में आसान जीत दर्ज करके डेविस कप में अपने करियर का शानदार अंत किया जबकि सुमित नागल ने अपना उलट एकल मैच भी जीता जिससे भारत ने रविवार को यहां मोरक्को को विश्व ग्रुप दो के मुकाबले में 3–1 से शिकस्त दी। डेविस कप में अपना 33वां और अंतिम मुकाबला खेल रहे 43 वर्षीय बोपन्ना और भांबरी ने मोरक्को के इलियट बेनचेट्रिट और यूनुस लालामी लारौसी को एक घंटे 11 मिनट तक चले मैच में 6–2, 6–1 सेपराजित किया। नागल ने पहले उलट एकल में यासीन दलीमी को 6–3, 6–3 से हराया। दूसरे उलट एकल मैच में दिग्विजय प्रताप सिंह उतरेंगे जो कि औपचारिकता मात्र रह गया है। दिग्विजय का डेविस कप में यह पहला मैच होगा। यह केवल दूसरा अवसर है जबकि नागल ने डेविस कप के किसी मुकाबले में अपने दोनों एकल मैच जीते। इससे पहले उन्होंने 2019 में कजाखस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यह कारनामा किया था। नागल ने दोनों सेट में शुरू में ब्रेक प्वाइंट हासिल किये और फिर दलीमी को वापसी का मौका नहीं दिया। इस जीत से भारत अगले साल होने वाले विश्व ग्रुप एक के प्लेऑफ में पहुंच गया है। बोपन्ना काफी भावुक थे और उन्होंने कोर्ट पर ही भारतीय टीम की अपनी शर्ट उतार दी जिससे उनके डेविस कप करियर का भी अंत हो गया। उन्होंने अपने करियर में 33 मैच खेले जिनमें से 23 मैचों में जीत दर्ज की। इनमें 13 युगल मैच भी शामिल हैं। इस मैच को देखने के लिए बोपन्ना के लगभग 50 परिजन और मित्र भी आ रखे थे। उन्होंने अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया।बोपन्ना के परिजनों और दोस्तों ने जो टीशर्ट पहन रखी थी उस पर इस खिलाड़ी की तिरंगा लहराते हुए तस्वीर प्रिंट की गई थी। यूनुस पूरे मैच में एक बार भी अपनी सर्विस नहीं बचा पाए जबकि भारतीय टीम को केवल एक बार ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा जब भांबरी सर्विस कर रहे थे। भारतीय टीम ने यह ब्रेक प्वाइंट भी बचा दिया था। भारतीय टीम ने यूनुस की सर्विस तोड़कर शुरुआती बढ़त हासिल की। जब स्कोर 30 –15 था तब भांबरी के बैंक हैंड रिटर्न पर यूनुस ने नेट पर गेंद खेल दी। इसके बाद भांबरी ने वॉली विनर लगाकर पहला ब्रेक प्वाइंट हासिल किया। बेनचेट्रिट ने भांबरी के रिटर्न पर शॉट लगाया लेकिन वह बाहर चला गया जिससे भारत ने 3–1 से बढ़त हासिल की। बोपन्ना ने अगले गेम में अपनी सर्विस बचाकर स्कोर 4–1 कर दिया। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद फिर से यूनुस को निशाना बनाया और उनकी सर्विस आसानी से तोड़ दी। भारत ने पहला सेट 34 मिनट में जीता। बोपन्ना ने दूसरे सेट में भी अपनी सर्विस का शानदार नमूना पेश किया लेकिन तीसरे गेम में भांबरी की सर्विस पर मोरक्को की टीम ने एक ब्रेक प्वाइंट हासिल किया। भारतीय टीम हालांकि इसे बचाने में सफल रही। यूनुस ने चौथे गेम में अपनी सर्विस पर स्कोर 40–0 कर दिया था लेकिन इसके बाद उनका अपनी सर्विस पर नियंत्रण नहीं रहा। उन्होंने डबल फाल्ट के अलावा बेजा गलतियां भी की और अपनी सर्विस गंवा दी। भारत ने भांबरी की सर्विस पर यह सेट और मैच जीता।

बॉलीवुड में वापसी करना चाहती हैं हेमा मालिनी : एशा देओल

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल यानी दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी ने लंबे समय तक अपनी एक्टिंग से अपने फैंस के दिलों पर राज किया है। उनके अभिनय को लोग आज भी याद करते हैं। हालांकि, अब एक्ट्रेस फिल्मों की दुनिया से काफी दूर हैं। हाल ही में एक्ट्रेस की बेटी एशा देओल ने अपनी मां के फिल्मों में वापसी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। बता दें कि एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने आखिरी बार फिल्म 'शिमला मिर्ची' में काम किया था। इस फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद यह मूवी 5 साल बाद 2020 में रिलीज हुई थी। चलिए जानते हैं एशा देओल ने हेमा मालिनी के कमबैक को लेकर क्या बयान दिया है। एशा देओल ने हाल ही में बताया कि वह हेमा मालिनी पर फिल्मों में वापसी करने के लिए जोर दे रही हैं। एशा ने कहा 'मैं ऐसा हमेशा से करती आ रही हूं। मां भी फिर से फिल्में करना चाहती हैं। इसे आगे उन्होंने बताया कि मां खुद भी फिल्मों में वापसी करना चाहती हैं और इसके लिए उन्होंने कुछ स्क्रिप्ट भी पढ़ी हैं। वह कुछ अच्छे रोल और स्क्रिप्ट ढूंढ रही हैं। इसके आगे उन्होंने बताया कि हेमा मालिनी का फिर से वापसी पर कहना है कि अगर उनके रास्ते में कुछ बहुत अच्छा आएगा, तभी वह बाहर निकलेंगी और कैमरे के सामने वापसी करेंगी। एशा ने आगे कहा– अगर किसी के पास मेरी मां के लिए कुछ अच्छा है, तो उन्हें उन्हें कॉल करना चाहिए। उन्होंने आगे अपने पिता और एक्टर धर्मेंद्र के बारे में बात करते हुए बताया कि अभिनेता ने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में भी काम शुरू करने से पहले व्यक्तिगत रूप से सभी का इनपुट मांगा था। जब भी पापा कोई नया प्रोजेक्ट शुरू करते हैं, तो वह हमें अपने लुक और ड्रेस की तस्वीरें दिखाते हैं। एशा देओल के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस आखिरी बार 'एक दुआ' में दिखाई दी थीं। वहीं, एक्ट्रेस ने लास्ट वेब सीरीज हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा में अभिनय किया था।

अल्लू अर्जुन की ६ साल की बेटी अरहा ने बनाई गणपति बप्पा की मूर्ति

स्टाइलिश स्टार 'पुष्पा' यानी अल्लू अर्जुन जितने फेमस हैं, उनकी क्यूट बेटी भी उतनी ही पॉपुलर है। शनिवार को अल्लू अर्जुन की पत्नी अल्लू स्नेहा रेड्डी ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें स्टार किड अल्लू अरहा को भगवान गणेश की मूर्ति बनाते देखा गया। इस वीडियो में अरहा ने जो मूर्ती बनाई है वह काफी परफेक्ट है। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। अल्लू अर्जुन और स्नेहा की बेटी उनके लिए खुशी की सबसे बड़ी वजह हैं, जो अपने पिता की तरह, लगातार अपने कामों से सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। जब भी उसके माता–पिता उसके वीडियो और तस्वीरें पोस्ट करते हैं, तो वह लोगों का ध्यान खींच लेती हैं। यह स्पष्ट है कि अरहा ने अपनी खुद को सेलिब्रिटी बना लिया है। बता दें कि अल्लू अरहा एक बेहद प्रतिभाशाली स्टारकिड हैं, उनके प्यारे पिता अल्लू अर्जुन द्वारा साझा की गई एक पुरानी पोस्ट में उनको एक पेशेवर की तरह कठिन योगासन करते हुए देखा गया था। वह एक गाने में एक्टिंग करती भी नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता की 6 साल की बेटी भी सोशल मीडिया पर किसी स्टार से कम नहीं है। सामंथा रुथ प्रभु की शाकुंतलम में अपनी पहली ऑनस्क्रीन उपस्थिति के साथ, अरहा ने पहले ही साबित कर दिया कि वह एक उभरती हुई स्टार हैं। अल्लू अर्जुन ने अरहा के डेब्यू को लेकर एक इंटरव्यू में अपनी खुशी जाहिर की थी और कहा था, "स्क्रीन पर अपने बच्चे को देखना बहुत प्यारा है। मेरा मतलब है, यह मेरे लिए अधिक प्यारा है क्योंकि वह मेरा अपना बच्चा है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि लोग उस क्यूटनेस से खुद को जोड़ पाएंगे।" बता दें कि अरहा का डेब्यू भारतीय फिल्म उद्योग में अल्लू परिवार की चौथी पीढ़ी की एंट्री है। अल्लू अर्जुन वर्तमान में सुकुमार द्वारा निर्देशित 'पुष्पा 2: द रूल' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसमें रश्मिका मंदाना और फहद फासिल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि 'पुष्पा 2' 15 अगस्त 2024 को रिलीज होगी।

जब घर जलता है तो लोग हाथ सेंकते हैं : आशीष विद्यार्थी

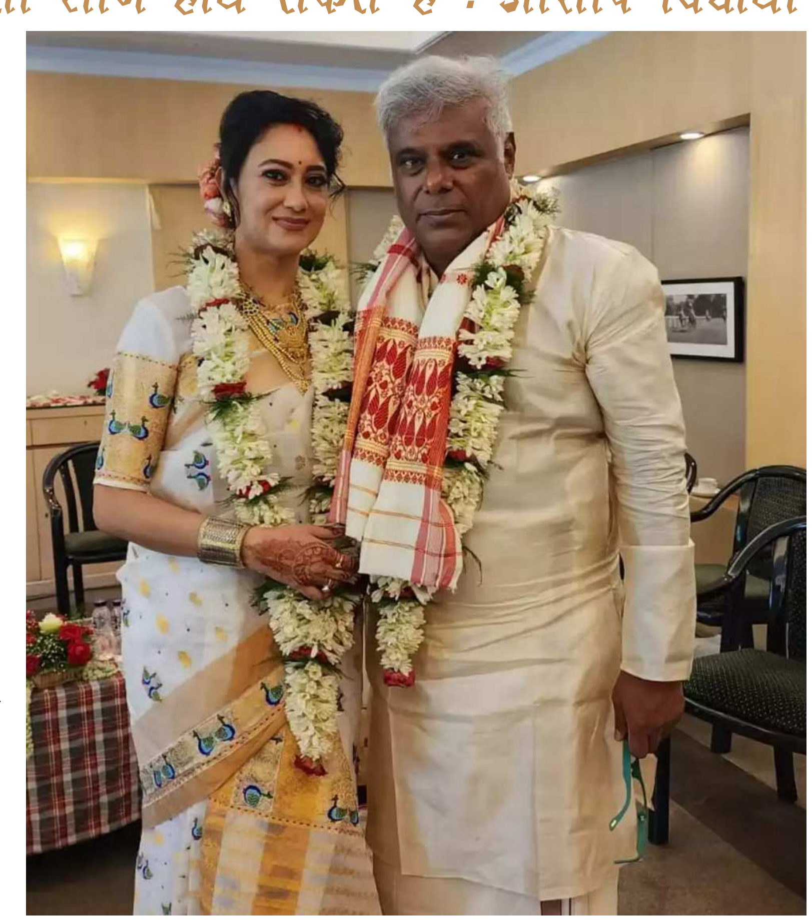

हिंदी सिनेमा के जाने–माने अभिनेता आशीष विद्यार्थी ने इसी साल मई में 57 साल की उम्र में दूसरी शादी की थी। रुपाली बरुआ के साथ शादी के बाद से ही वह सुर्खियों में हैं। इसकी वजह से एक्टर को काफी ट्रोलिंग भी सहनी पड़ी। अब आशीष और रुपाली बहुआ ने इस बारे में बात की है। एक्टर आशीष विद्यार्थी ने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में बताया कि ताने देने वालों को जवाब दिया। एक्टर ने कहा, "किसी के ऊपर जजमेंट पास करना बहुत आसान है। हिंदी में कहावत है, 'दूसरो का घर जब जलता है, लोग अपने हाथ सेंकते हैं।' आशीष विद्यार्थी की पत्नी रुपाली बरुआ ने भी ट्रोलिंग पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इसी इंटरव्यू में कहा, "मैं इस पर ध्यान नहीं देती हूं, क्योंकि मैं उन्हें नहीं जानती हूं। उन्होंने कुछ ऐसा देखा है जो सामान्य लोगों के लिए बहुत ही अस्पष्ट है, क्योंकि वे इसके बारे में नहीं जानते हैं। हम उन्हें न कुछ कहेंगे और ना ही सफाई देंगे, क्योंकि मैं ज्यादा कमेंट्स नहीं पढ़ती हूं। मेरी फैमिली सच्चाई जानती है। मेरे अपने मुझे सपोर्ट करते हैं। मुझे किसी दूसरे की वेलिडेशन की जरूरत नहीं है। मुझे फर्क नहीं पड़ता है।" रुपाली से पहले आशीष ने टेलीविजन एक्ट्रेस पीलू विद्यार्थी से शादी की थी, जिनसे उन्हें एक बेटा अर्थ है। आशीष ने पीलू से 22 साल की शादी तोड़ असम की रहने वाली फैशन डिजाइनर रुपाली के साथ सात फेरे लिए थे। आशीष की पत्नी रुपाली का कहना है कि एक्स वाइफ पीलू और सौतेले बेटे अर्थ के साथ उनका रिश्ता अच्छा है। रुपाली ने आशीष के बेटे अर्थ के साथ अपने रिश्ते पर कहा, "वह (अर्थ) बहुत प्यारे हैं। हमारे बीच अच्छी बातचीत हुई, कुछ सीरियस नहीं है। हमने सिर्फ उनके काम को लेकर बात की। ये बहुत सामान्य बातचीत थी। हम बहुत प्यार से मिले।" वहीं, आशीष ने कहा कि वह किसी को अपना पॉइंट क्लियर कर रहे हैं।